

**निखरी स्त्री.** (तत्.) पक्की, घी की पकी हुई रसोई, सखरी का उल्टा।

**निखक्ख अव्य.** (तत्.) बिलकुल, सब, और कुछ नहीं।

**निखात वि.** (तत्.) 1. खोदा हुआ 2. गाड़ा हुआ 3. खोद कर जमाया हुआ।

**निखाद पुं.** (तद्.) दे. निषाद।

**निखार पुं.** (देश.) निर्मलपन 1. सफाई 2. सजाव, शृंगार।

**निखारना स.क्रि.** (देश.) 1. स्वच्छ करना, माँजना, साफ करना 2. पवित्र करना, पापरहित करना।

**निखारा पुं.** (तत्.) शक्कर बनाने का कड़ाह जिसमें डालकर रस उबाला जाता है।

**निखालिस वि.** (तद्.) विशुद्ध जिसमें और किसी चीज का मेल न हो।

**निखिल वि.** (तत्.) संपूर्ण, सब, सारा।

**निखेद पुं.** (तद्.) दे. निषेध।

**निखेध पुं.** (तद्.) दे. निषेध।

**निखेधना स.क्रि.** (तद्.) निषेध करना, मना करना।

**निखोट वि.** (देश.) 1. जिसमें कोई खोटा या दोष न हो, निर्दोष 2. साफ, स्पष्ट, खुला हुआ, जिसमें कुछ लगाव-फँसाव न हो, बिना संकोच के, बेधड़क, खुल्लम खुल्ला, खुलकर, स्पष्ट रूप से।

**निखोड़ना पुं.** (देश.) दे. निखोरना।

**निखोड़ा वि.** (देश.) कठोर चित्त का, निर्दयी।

**निखोरना स.क्रि.** (देश.) नाखून से नोचना, उचाड़ना, नाखून से नोचकर अलग करना।

**निगंठ पुं.** (तत्.) जैन धर्मावलंबी साधु।

**निगंद पुं.** (तद्.) जड़ी-बूटी जो दवा के काम में आती है और रक्तशोधक समझी जाती है।

**निगंदना स.क्रि.** (देश.) रजाई, दुलाई आदि रुई भरे कपड़ों में तागा डालना, बखिया, सीवन।

**निगंध वि.** (तद्.) गंधहीन, निर्गंध, जिसमें कोई गंध न हो।

**निगड़ स्त्री.** (तद्.) हाथी के पैर बाँधने की जंजीर, बेड़ी।

**निगड़ित पुं.** (तद्.) जंजीर से बँधा हुआ, बेड़ी डाला हुआ।

**निगण पुं.** (तत्.) हवन आदि से उत्पन्न धुआँ।

**निगद पुं.** (तत्.) 1. भाषण, कथन 2. ऊँचे स्वर से किया हुआ जप 3. मंत्र जो ऊँचे स्वर से जपा जाए 4. बिना अर्थ जाने रटना।

**निगदन पुं.** (तत्.) 1. भाषण, कथन 2. याद की हुई या रटी हुई चीज को ऊँचे स्वर से पाठ करना।

**निगदित वि.** (तत्.) कथित, कहा हुआ।

**निगम पुं.** (तत्.) 1. मार्ग, पथ 2. वेद 3. वणिक् पथ, हाट, बाजार 4. मेला 5. माल का आना-जाना, व्यापार 6. निकाय 7. कायस्थों का एक भेद 8. बड़े नगरों की प्रबंध सभा, नगर-निगम 9. नगर 10. न्याय शास्त्र 11. वेद-सम्मत ग्रंथ।

**निगमन पुं.** (तत्.) न्याय में अनुमान के पाँच अवयवों में से एक, हेतु, उदाहरण और उपनय के उपरांत प्रतिज्ञा को सिद्ध सूचित करने के लिए उसका फिर से कथन, नतीजा 2. जाना, भीतर जाना 3. वेद का उद्धरण।

**निगमनिवासी पुं.** (तत्.) विष्णु, नारायण।

**निगमबोध पुं.** (तत्.) दिल्ली के पास यमुना नदी के किनारे स्थित शवदाह स्थान।

**निगमागम पुं.** (तत्.) वेद और शास्त्र।

**निगमी पुं.** (तत्.) वेद का ज्ञाता।

**निगरण पुं.** (तत्.) 1. भक्षण, निगलना 2. गला 3. यज्ञाग्नि का धूम, होमधूम।

**निगराँ पुं.** (फा.) 1. निगरानी रखनेवाला 2. निरीक्षण 3. रक्षक।

**निगराना स.क्रि.** (तद्.) 1. निर्णय करना, निबटाना 2. छाँटकर अलग करना, पृथक् करना 3. स्पष्ट करना, अलग होना 4. स्पष्ट होना।